विद्या -भवन, बालिका विद्यापीठ ,लखीसराय

नीतू कुमारी , वर्ग -तृतीय, विषय- हिंदी, दिनांक-23-06-2021

एन.सी.ईआर.टी पर आधारित पाठ-6 एकता में ही शक्ति

सुप्रभात बच्चों,

1. *नीचे दिए गए प्रश्नों के उत्तर लिखिए—*

(क) कबूतरों ने क्या कहकर बूढ़े कबूतर की बात नहीं मानी?

उत्तर-आप बूढ़े हो गए हैं, इसलिए हमारी बात पर संदेह करते हैं। यही कह कर बूढ़े कबूतर की बात नहीं मानी।

(ख) जाल में फँसने के बाद कबूतरों ने बूढ़े कबूतर से क्या कहा ?

उत्तर- जाल में फँसने के बाद कबूतर ने बड़े कबूतर से यह कहा कि बड़ों का कहना ना मानने से ही मुसीबत आई है।

(ग) जाल में फँसे कबूतरों ने क्या सोचा ?

उत्तर- जाल में फँसे कबूतरों ने सोचा कि बड़ों का बात मान लेते तो जाल में नहीं फँसते ।

(घ) कबूतरों जाल सहित कहाँ गए ?

उत्तर-कबूतरों जाल सहित चूहे के पास गए।

(ड़) कौन कबूतर को जाल से बाहर निकाला?

उत्तर- चूहे ने कबूतर को जाल से बाहर निकाला।

(ङ) इस कहानी से क्या शिक्षा मिलती है?

उत्तर- इस कहानी से यही शिक्षा मिलती है कि एकता में शक्ति है ,अपने से बड़ों का बात माननी चाहिए।

गृहकार्य-

दिए ,गए अध्ययन- सामग्री अपनी उत्तर पुस्तिका में लिखें तथा याद करें।